श्रीजात (von जन् mit श्रीभे) adj. 1) gemäss Etwas (acc.) geboren: संपर् देवी-मिश्रात: divina sorte natus Bhag. 16, 5. 3. श्रीभंजातस्य — संपर्मामुरीम् 4. — 2) geboren, entstanden: श्रजातपद्यामिश्रातकाएठीम् R. 5, 11, 23. — 3) von edler Herkunft AK. 3, 4, 84. H. 502. an. 4, 94. Med. t. 182. प्रमाभिजाता R. 5, 11, 21. संभवत्पभिजातानामिमानो क्यात्रिंत्रमः Катная. 18, 55. Внавта. 2, 48. — Ніт. II, 26. Ragh. 17, 4. — 4) geeignet, geschickt (न्या-ट्या) H. an. Med. Viçva im ÇKDR. — 5) gelehrt AK. H. an. Med. — 6) schön (मुन्द्र) Viçva im ÇKDR. °वाच् Kumâras. 1, 46.

श्रभिज्ञात (wie eben) f. Herkunft, Geburt; davon श्रभिज्ञातीय am Ende eines comp.: श्रुक्ताभिज्ञातीया R. 6, 10, 24.

म्रभिर्तित् (von ति mit म्रभि) 1) adj. a) siegreich: म्रभितिता तेत्रसा तेत्री রিন্দ VS. 15, 7. — b) unter dem Sternbilde Abhigit geboren P. 4, 3, 36. Vgl. म्राभित्रित. — 2) m. a) N. eines eintägigen Soma-Opfers, eine Unterabtheilung der grossen Opferseier des Gavam-ajana: विश्वाजि-चीभितिच्च यः Av.11,7,12. एते एव पूर्वे ब्रह्मी ब्रभितिद्तिरात्रः ÇAT. BR. 13,5,4,4. 12,1,2,2.12. 4,2. 2,4,3. 2,21. 2,2.10.11. 4,15. 3,4,4.8. AIT. Ba. 4, 19. 6, 18. Âçv. Ça. 8, 5. 13. 10, 1. u. s. w. Kiti. Ça. 13, 2, 5. 13. 20, 8, 14. 22, 1, 6.7. 36. 42. 24, 2, 2. 3. 8. 6, 45. 23, 1, 20. 5, 26. 24, 1, 17. 4, 5. 5, 4. 7, 35. M. 11, 74. R. 1, 13, 45. Verz. d. B. H. 72, 10. 73, 8. 19, 9. b) N. pr. ein Sohn Punarvasu's Harry. 2016. Vater Punarvasu's VP. 436. — 3) f. N. eines Sternbildes: ऋमितिन्से रासता पुरायमेव AV. 19, 7, 4. Harry. 3320. Das 6te Mondhaus nach dem Vollmond, dem Brahman geheiligt, Tairr.Ba. 3,1,2,6. ततः प्रभाते विमले मुर्ह्स्ते अभ-त्रिति प्रभुः । विसिष्ठः पुष्ययोगेन ब्राह्मपीः परिवारितः ॥ R. 6, 112, 70. Co-LEBR. Misc. Ess. II, 341. 358. LIA. I, 746. Ind. St. 1, 99. — 4) n. (nach ÇKDa.) die 8te Stunde (मर्झ्त) des Tages: म्रभिन्निति शिष्यानुपनीय च्चोभूते संभारान्संभरति KAUG. 139. श्रवराह्नि तु संप्राप्ते श्रभिजिद्रीक्षिणीद्ये । यदत्र दोयते जत्तास्तदत्तयमुदाक्तम् ॥ Marsia-P. im ÇKDa. Verz. d. B.

श्चर्भाजित (wie eben) N. eines Sternbildes: শ্বক্ত্ लिभिजिते योगे निशाया योवने स्थिते । শ্বর্धरात्रे लिख्यामि गर्भमोत्तम् अञ्चर ३२४८. मुर्झ्ते ऽभि-जिते प्राप्ते सार्धरात्रे विभूषिते ३३१७.

श्रभिर्जिति (wie eben) f. Sieg, Erkämpfung: श्रभिजित्या श्रभिजयानि ÇAT. Ba. 3,4,4,9.14. वर्रे दर्गमि जित्या श्रभिजित्ये विजित्ये मंजित्या इति वाचं विस्तृतते AIT. Ba. 8,9. 1,25. एषां लोकानामभिजित्ये ÇAT. Ba. 3,7,1,14. सर्वस्य लोकस्याभिजित्ये 13,1,2,1.

श्रमित्त (von ত্মা mit श्रमि) 1) adj. f. श्रा kundig, erfahren AK.3,1,4. H. 343. स त्यामिता ट्रिप्रमु: R. 4,35,25. 5,85,7. श्रमित्तास्मि 2,39,27. Das obj. im gen.: कालार्वनडगाणामित्तान् 4,38,53. श्रमित्ता राजधमीणाम् 2,26,4. geht im comp. voran: नीतिशास्त्राभित्तान् Hir. 8, 5. Davon nom. abstr.: शङ्कस्वनाभित्तता RAGB. 7,61. श्रनमित्त nicht kundig, mit dem gen.: श्रन्तभित्तं च नारीणाम् R.1,9,3. 2,42,20. 5,87,22. N. 15,17. Pańkat. 13,4. l,83. mit dem loc. Kathâs. 24,187. am Ende eines comp. Pańkat. 13,6. Megh. 16. ununterrichtet, ungebildet Vop. 26,219. — 2) f. े ला. a) das Gedenken, das sich-Erinnern P. 3,2,112. — b) eine höhere, übernatürliche Kenntniss und Macht, deren einem Buddha sechs oder fünf zugetheilt werden. Burn. Intr. 295. Lot. de la b. l. 820. fgg. H. 233, Sch. Vgl. घउभित्त.

म्रभिज्ञान (wie eben) n. 1) das Wiedererkennen: रामनामाङ्कितं चेदं प्र-गृकाषााङ्ग्रीयकम्। तद्भिज्ञानकेतीर्कि दत्तं तेन मकात्मना R. 5,32,44. तया च तस्य प्राप्तस्य तत्राभिज्ञानसिद्धये । पुत्रकस्य प्रमुप्तस्य न्यस्तं वासस्यल-त्तकम् (so ist zu lesen für वासस्य लंः) ॥ Катайз. 3,71. — 2) das Gedenken, Erinnerung: पूर्ववृत्तमभिज्ञानं भूयः संप्रत्यभाषत R. 5,68,1. एता-वदार्या — म्रभिज्ञानमुवाच 43. — 3) Kenntniss: लत्तापां लनभिज्ञानां तदिभि-ज्ञानमूचकम् Vop. 26,219. — 4) woran man Imd oder Etwas erkennt, wobei man sich Jmdes oder Etwas erinnert, Erkennungszeichen, Erinnerungsmahl: रामस्य दर्द्शाम्ममेयुषः। कृतं वृत्तेष्ठभिज्ञानं कुशचीरैः क्वचि-त्कचित्॥ R. 2,100,6. उपपन्निर्भिज्ञानिर्द्तं तमवगच्ह्तं 5,33,14. 6,8,3. चिक्कभूतं बिगज्ञानं बमङ्के कर्तुमर्रुक्ति । येन बामभिन्नानीयां दन्द्वयुद्धमुपाग-तम् ॥ 4,12,44. तस्यै भर्तुरभिज्ञानमञ्जलीयं देदा RAGH. 12,62. R. 1,1,72. 6,110,51. Катна̀s. 3,72. इत्युक्ता श्रांकिद्वेन साभिज्ञानम् 26,102. Месн. 111. zu 112, v.l. Zeichen H. 106. Zeichen, Beweis für Etwas mit प्रति oder mit dem loc.: पर्याप्तं चाप्यभिज्ञानमिक् स्वाधीनता प्रति । यत् u. s. w. R. 5,81,24. पर्याप्तं चाप्यभिज्ञानं धर्मस्य परिरत्ताणे । यत् u. s. w. 86,7.

ন্ধনিরান্যানুর্বলে (von ক্সমিরান 4. + হাসুনলো) n. Titel eines allbekannten Dramas Çık. 3, 12. Vgl. Böntlingk zu d. St.

श्रमितुँ (श्रमि + त्रु = जानु) adv. 1) knielings, kniend: संजानाना उपं सीद्विमितु ह्र १.४.१,72,5. श्रमित्वा सर्विभिर्गा श्रेनुग्मन् 3,39,5. स्पर्यवा भर्म-माणा श्रमितु प्र वृञ्जते नर्मसा विह्यूग्री 7,2,4. — 2) bis an's Knie: वाश्रा श्रमितु पात्रवि ह्र १.37,10. मुकुँ। श्रमित्वा पंमत् 8,81,3.

म्रभितर्गम् (von म्रभि) adv. näher hinzu: म्रभितर्गम् वै जयन्त्रामित त-स्माद्भितर्गम्भितर्गमेव क्रामेद्भितर्गमभितर्गमाङ्कतीर्जुङ्गपात् (Ar. Ba. 1, 8, 8, 6. म्रच पद्गियत्पय बलीयस्तपित । म्रय पद्गिभतर्गमेत्यय बलिष्ठतमं त-पति Arr. Ba. 3, 44.

र्ऋार्नेतम् (von म्रभि) P. 5,3,9. adv. praep. 1) herbei, hinzu: म्रभितश्चागतं प्रेम्पा। प्रत्योख्यातुं न मार्क्सि Sxv.3,11. मन्ये तु तेषाम् — कालो ऽभितः प्राप्त इकेापपातुम् Draup. 3, 7. = म्रभिमुखे AK. 3, 4, 22, (Col. 28,) 17. H. an. 7, 58. = मेमुखे Med. avj. 83. - 2) nebenbei, nahebei AK. H. an. Med. avi. तता राजाब्रवीदाकां मुमल्लमभितः स्थितम् R. 1,11,4. बाली मुग्रीव-मभितो दृद्र्श 4,21,1. पम्पा नामाभितो वापी 3,75,57. ऋभितो (४. 1. ऋभि भो) रम्यताम् м. з, 251. Киш.: = उभयत इक् वा स्वगृके वास्पताम् neben, in der Nähe von, mit dem acc.: सीता पुरस्ताद्रज्ञतु लमेनामभिता त्रज R. 2,103,21. स्रये कस्यचिद्स्ति कंचिद्भितः केनापि पृष्ठे कृतः। संसारः Çîntiç. 2, 24. mit dem gen.: निषसाद्भितस्तस्य R. 1,33,22. कामक्रोध-वियुक्तानां यतीनां यतचेतसाम् । म्रभिता ब्रह्मनिर्वाणं वर्तते Вилс. 5,26. — 3) zu beiden Seiten AK. H. an. Med. avj. Bharth. 1,80. Amar. 88. zu beiden Seiten von, mit dem acc.: म्रिभितो पूर्व तिष्ठती बुक्ततः। प्या वै ना-र्सिकेवं यूपस्तस्मादिमे श्रभितो नासिका चुतुषी Çat. Ba. 4,2,1,25. 1,2,5,15. 8,5,1,15. 9,1,1,44. 4,4,6. 12,9,2,10. 16. एते। वा स्रयं मॉक्मानावभितः संबभूवत्: 10,6,4,1. = Вян. 🛦 я. Up. 1, 1, 2. म्रभिता द्राउम् Kits. Çя. 26, 7,25. प्रयागमभितः पश्य — धूममुच्छितम् R. 2,54,5. भरहाजाश्रमश्चेष प्रया-गमभितः शिवः 6, 108, 43. पार्षेः पृष्पपत्राणि सन्निहर्गितो नदीम् 95, 8. ÇAK. 144. प्रुत्ते च वालव्यजने — म्रुभितस्तं दर्द्धा सः R. 4,33,38. — 4) vor und nachher, mit d. acc.: तमभितो ऽतिरात्री Âçv.Ça.10,5. त्रिकदुका: पृष्ठ्य-मिति: Kātj.Ça. 24, 1, 21. 2, 6. 18. 29. 3, 4. 21. 5, 9. — 5) von allen Seiten, umher, ringsum: तर्वोद्दम्भितश्चिकित् वस् RV.1, 53, 3. सस्त्वयमभिता जनः